भारत सरकार
अंतरिक्ष विभाग
****

विषय – फरवरी 2025 माह के लिए अंतरिक्ष विभाग का मासिक सारांश।

फरवरी 2025 माह के दौरान अंतरिक्ष विभाग की प्रमुख गतिविधियाँ निम्नलिखित हैं:

(i) लंबे समय से चल रहे अंतर-मंत्रालयी परामर्श के कारण लंबित नीतिगत और अन्य मामले जिन्हें विभाग मंत्रिमंडल सचिव के संज्ञान में लाना चाहता है: शून्य।

(ii) मंत्रिमंडल सचिवालय या प्रधानमंत्री कार्यालय में लंबे समय से लंबित प्रस्ताव/संदर्भ: शून्य।

(iii) ऐसे किसी भी मामले का विवरण जिसमें कार्य के नियमों का उल्लंघन हुआ हो:- शून्य।

(iv) कोई अन्य मामला/महत्वपूर्ण घटनाक्रम जो विभाग को लगता है कि मेरे ध्यान में लाया जाना चाहिए:

- डीओएस/इसरो ने 7 फरवरी, 2025 को, निर्वात परिस्थितियों में एक बहु-तत्व प्रज्वालक के साथ एलवीएम3 के ऊपरी चरण को शक्ति प्रदान करने वाले सीई20 क्रायोजेनिक इंजन का प्रज्वाल परीक्षण सफलतापूर्वक किया, जो अंतरिक्ष की निर्वात स्थिति में इंजन प्रज्वलन का अनुकरण करता है।

- अर्ध क्रायोजेनिक एससी120 चरण के लिए आवश्यक इस्रोसीन टैंक का संरचनात्मक योग्यता परीक्षण 11 फरवरी, 2025 को संरचनात्मक परीक्षण सुविधा, आईपीआरसी में सफलतापूर्वक पूरा किया गया।

- डीओएस/इसरो ने 10 फरवरी, 2025 को महेंद्रगिरि स्थित इसरो नोदन कॉम्प्लेक्स स्थित अपने इंजन परीक्षण केंद्र में विकास द्रव इंजन का तीसरा पुनःप्रारंभ प्रदर्शन परीक्षण सफलतापूर्वक पूरा किया।

- इसरो-नासा संयुक्त मिशन (निसार) की नौप्रेषण-पूर्व समीक्षा 7 फरवरी, 2025 को यूआरएससी में नासा/जेपीएल अधिकारियों की भागीदारी के साथ आयोजित की गई और निसार की तैयारी की स्थिति पर चर्चा की गई। इसरो के दो अधिकारियों ने 20 फरवरी, 2025 को निसार की नासा मुख्यालय समीक्षा बैठक (केडीपी-ई) में निसार की तैयारी पर प्रमुख निर्णय बिंदु समीक्षा बैठक में भाग लिया और प्रमुख परिणाम प्रस्तुत किए।

- माननीय अंतरिक्ष राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने 28 फरवरी, 2025 को नई दिल्ली में यूरोपीय रक्षा एवं अंतरिक्ष आयुक्त श्री एंड्रियस कुबिलियस के साथ बैठक की। सचिव, अंतरिक्ष विभाग/अध्यक्ष, इसरो ने अंतरिक्ष क्षेत्र में भारत की उपलब्धियों और यूरोपीय संघ के साथ सहयोग के अवसरों पर प्रकाश डाला। इसके बाद, विदेश मंत्रालय ने बताया कि भारत-यूरोपीय संघ अंतरिक्ष वार्ता जल्द ही शुरू की जाएगी।

...2/-

- विभाग ने पृष्ठभूमिक टिप्पणी और प्रश्नावली के उत्तर प्रस्तुत करके विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन पर विभाग से संबंधित संसदीय स्थायी समिति (पीएससी) द्वारा अनुदान मांगों की जाँच में सहायता प्रदान की। इसके बाद, विभाग ने 20 फरवरी, 2025 को पीएससी के समक्ष गतिविधियों, उपलब्धियों और बजट पहलुओं पर एक प्रस्तुति दी।

- आदित्य एल1 पर लगे सोलर पराबैंगनी प्रतिबिंबन दूरबीन (एसयूआईटी) ने पहली बार एक सौर ज्वाला 'कर्नेल' को कैद किया। यह प्रेक्षण और इससे जुड़े वैज्ञानिक परिणाम सूर्य की विस्फोटक गतिविधि और पृथ्वी पर उसके प्रभाव को समझने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

- पूर्व सक्रिय अभिशासन और समयबद्ध कार्यान्वयन के लिए भू-स्थानिक सहयोग **(प्रगति)** के एक भाग के रूप में, सात परियोजनाओं से संबंधित 14 भू-स्थानिक सतहों का सृजन किया गया और संबंधित अधिकारियों के साथ जानकारी साझा की गई।

- नाविक और जीपीएस के समूहों के बीच संकेतों की अनुकूलता के समन्वय के लिए अमेरिका की जीपीएस टीम के साथ तकनीकी चर्चा की गई।

- आपातकालीन जीवनरक्षा किट (ईएसके), खाद्य एवं भंडारण पात्र, डोसीमीटर (पीईआरडीएए और निष्क्रिय डोसीमीटर) के लिए मानव अनुकूलन प्रमाणन बोर्ड (एचआरसीबी) द्वारा मानव अनुकूलन प्रमाणन कार्य पूरा किया गया, जो डीआरडीओ द्वारा गगनयान जी1 मिशन के लिए प्रदान किया गया था।

- एनआरएससी के निदेशक के नेतृत्व में इसरो के पांच सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने 3-14 फरवरी, 2025 के दौरान वियना में यूएनसीओपीयूओएस की वैज्ञानिक एवं तकनीकी उप समिति के 62वें सत्र में भाग लिया और विभिन्न कार्यसूची मदों के अंतर्गत राष्ट्रीय वक्तव्य जारी किए।

- रेसपॉन्ड बास्केट में 158 विषयों के लिए शैक्षणिक संस्थानों से लगभग 2500 शोध परियोजना प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। रेसपॉन्ड के अंतर्गत, 22 नई परियोजनाओं और छह चालू परियोजनाओं को मंजूरी दी गई।

- डीओएस/इसरो ने 10 से 14 फरवरी, 2025 तक बेंगलूरु के येलाहंका वायुसेना स्टेशन में आयोजित एयरो इंडिया 2025 कार्यक्रम में एक समर्पित मंडप स्थापित किया। इस मंडप में इसरो के प्रमोचन यानों के मॉडल के साथ-साथ चंद्रयान-4 और अगली पीढ़ी के प्रमोचन यान (एनजीएलवी) सहित नई स्वीकृत परियोजनाओं के मॉडल भी प्रदर्शित किए गए।

- इन-स्पेस ने अहमदाबाद स्थित इन-स्पेस तकनीकी केंद्र में, के.जे. सोमैया स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग/के.जे. सोमैया इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के 30 छात्रों को इमर्शन कार्यक्रम के तहत व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया।

***